

उच्च माध्यमिक परीक्षा , 2019  
SENIOR SECONDARY EXAMINATION , 2019  
लेखाशास्त्र  
ACCOUNTANCY

Time : 3 Hours 15 Minutes

Maximum Marks :80

परीक्षार्थियों के लिये सामान्य निर्देश :

**General Instructions to the Examinees:**

- परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।  
Candidate must write first His / Her Roll No. on the Question Paper Compulsorily .
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।  
All Questions are Compulsory .
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।  
Write the Answer to each question in the given answer-book only
- जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।  
For the Questions having more than One Part , the answer to those Parts are to be Written together in Continuity .
- प्रश्न पत्र के हिन्दी एवं अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि / अन्तर / विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माने।  
If there is any Error / Difference / Contradiction in Hindi and English Versions of the Question Paper , the Question of Hindi Version should be Treated Valid .

- यह प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभक्त है: A तथा B .

This Question Paper Contains Two Sections : A and B .

Section	Q. Nos.	Marks Per Question
<b>A</b>	1 – 8	1
	9 – 14	2
	15 – 21	4
	22 – 23	6
<b>B</b>	24 – 25	1
	26 – 27	2
	28 – 29	4
	30	6
<b>OR</b>		
	24 – 25	1
	26 – 27	2
	28 – 29	4
	30	6

- खण्ड 'A' सभी छात्रों के लिये अनिवार्य है।

Section "A" is Compulsory for All Candidates .

- खण्ड 'B' के दो भाग हैं। प्रत्येक भाग में सात प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को किसी एक भाग के सात प्रश्नों को हल करना है।

Section 'B' has Two Portions . Every portion has a Set of Seven (7) Questions . Candidate can Attempt only a Set of Seven Questions of any One Portion .

- प्रश्न संख्या 22 (खण्ड 'A') तथा प्रश्न संख्या 30 (खण्ड 'B') में आन्तरिक विकल्प हैं।

There are Internal Choices in Q. No. 22 (Section – A) and Q. No. 30 (Section – B) .

## SECTION – A (खण्ड – A)

**Q 1.** साझेदारी संलेख के अभाव में साझेदारों के वेतन का क्या प्रावधान है ?

What is the provision for salary to the partners , in the absence of Partnership Deed ?

[ 1 Mark ]

**Sol.** साझेदारी संलेख के अभाव में, साझेदारों को वेतन नहीं दिया जायेगा।

**Q 2.** तरुणा एवं भावना 4 : 2 के अनुपात में लाभ हानि बाँटती हुये साझेदार है। उन्होंने  $\frac{1}{3}^{\text{rd}}$  हिस्से के लिये पूजा को फर्म में प्रवेश दिया। पूजा अपना हिस्सा दोनों से समान अनुपात में प्राप्त करेगी। नये लाभ हानि अनुपात की गणना कीजिये। Taruna and Bhavna are partners with sharing profit and loss in the ratio of 4 : 2 . They admitted Pooja into firm for  $\frac{1}{3}^{\text{rd}}$  share . Pooja received her share equally from both . Calculate New Profit and Loss Ratio .

[ 1 Mark ]

**Sol.**

$$\begin{aligned}\text{Taruna's Sacrifice} &= \frac{1}{3} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{6} \\ \text{Bhavna's Sacrifice} &= \frac{1}{3} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{6} \\ \text{New Ratio} &= \text{Old Ratio} - \text{Sacrifice} \\ \text{Taruna's New} &= \frac{4}{6} - \frac{1}{6} = \frac{3}{6} \\ \text{Bhavna's New} &= \frac{2}{6} - \frac{1}{6} = \frac{1}{6} \\ \text{Pooja's Share} &= \frac{1}{3} \times \frac{2}{2} = \frac{2}{6} \\ \text{New Ratio} &= 3 : 1 : 2\end{aligned}$$

**Q 3.** ममता तथा मनु 5 : 3 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुये एक फर्म में साझेदार है। उन्होंने रेखा को नया साझेदार बनाया। उनका नया लाभ हानि अनुपात 4 : 2 : 1 निश्चित किया गया , तो ममता एवं मनु का त्याग अनुपात ज्ञात कीजिये। Mamta and Manu are partners in a firm with sharing profits in the ratio of 5 : 3 . They entered Rekha as New Partner . Their new profit-loss sharing ratio is decided 4 : 2 : 1 . Find out sacrifice ratio of Mamta and Manu .

[ 1 Mark ]

**Sol.**

Sacrifice Ratio = Old Ratio – New Ratio

$$\begin{aligned}\text{Mamta's Sacrifice} &= \frac{5}{8} - \frac{4}{7} = \frac{35 - 32}{56} = \frac{3}{56} \\ \text{Manu's Sacrifice} &= \frac{3}{8} - \frac{2}{7} = \frac{21 - 16}{56} = \frac{5}{56} \\ \text{Sacrifice Ratio} &= 3 : 5\end{aligned}$$

**Q 4.** प्राप्ति अनुपात एवं त्याग अनुपात में कोई दो अन्तर लिखिये।

Write any TWO Difference between Gain Ratio and Sacrifice Ratio .

[ 1 Mark ]

**Sol.**

### प्राप्ति अनुपात एवं त्याग अनुपात में अन्तर

क्र. सं.	अन्तर का आधार	प्राप्ति अनुपात	त्याग अनुपात
1.	अर्थ	इसमें शेष साझेदार अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार या मत साझेदार के लाभ के भाग को प्राप्त करते हैं।	इसमें पुराने साझेदार अपने लाभ का हिस्सा नये साझेदार के पक्ष में त्याग करते हैं।
2.	गणना का समय	किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण करने अथवा मृत्यु पर।	नये साझेदार के प्रवेश पर।

**Q 5.** फर्म के समापन से आप क्या समझते हैं ?

What do you mean by Dissolution of Firm ?

[ 1 Mark ]

**Sol.**

भारतीय साझेदारी अधिनियम , 1932 की धारा 39 के अनुसार "किसी फर्म के समस्त साझेदारों के मध्य साझेदारी का समाप्त हो जाना , फर्म का विघटन अथवा फर्म का समापन कहलाता है।"

**Q 6.** याशु लिमिटेड ने गोयल लिमिटेड से ₹ 6,00,000 में एक मशीन खरीदी एवं याशु लिमिटेड ने ₹ 10 मूल्य वाले 50,000 समता अंशों को 20 % प्रीमियम पर गोयल लिमिटेड को भुगतान हेतु जारी किये। अंश जारी करने की प्रविष्टि दीजिये।  
Yaashu Ltd. Purchased a machinery from Goyal Ltd. For ₹ 6,00,000 and Yaashu Ltd. Issued 50,000 Equity Shares @ ₹ 10 each at 20 % premium for payment to Goyal Ltd. Give entry for Issue of Shares.

[ 1 Mark ]

**Sol.**

Premium Per Share = ₹ 10 x 20 % = ₹ 2 Per Share

### JOURNAL of Yaashu Ltd.

Date	Particular	Dr. (₹)	Cr. (₹)
Date of Purchase	Machinery A/c. Dr. To Goyal Ltd. A/c. (Being Machinery Purchased from Gopal Ltd.)	6,00,000	6,00,000
Date of Issue	Goyal Ltd. A/c. Dr. To Equity Share Capital A/c. To Securities Premium A/c. (Being 50,000 Equity Shares @ ₹ 10 each Issued at 20 % Premium)	6,00,000	5,00,000 1,00,000

- Q 7.** कष्णा लिमिटेड ने 20,000 अंशों को जारी करने हेतु प्रविवरण जारी किया। 30,000 अंशों के लिये आवेदन प्राप्त हुआ। 24,000 अंशों के आवेदकों को यथानुपात बंटन किया। यदि राजेश को 400 अंश आवंटित किये हो तो उसके द्वारा आवेदित अंशों की संख्या ज्ञात करो।  
 Krishna Ltd. Issued Prospectus to issue 20,000 Shares .  
 Subscription received for 30,000 Shares . Pro-rata Allotment is made to Applicants of 24,000 Shares .  
 If 400 Shares were Allotted to Rajesh , calculate number of shares applied by him .

[ 1 Mark ]

**Sol.**

$$\text{राजेश द्वारा आवेदित अंशों की संख्या} = \frac{400}{20,000} \times 24,000 = 480 \text{ अंश}$$

- Q 8.** संयुक्त साहस का समापन कब होता है ?

When Dissolution of the Joint Venture happens ?

[ 1 Mark ]

**Sol.**

विशेष कार्य पूर्ण हो जाने अथवा पूर्व निश्चित अवधि के समाप्त हो जाने के साथ ही संयुक्त साहस भी स्वतः समाप्त हो जाता है।

- Q 9.** R , S तथा T एक फर्म में 5 : 3 : 2 के अनुपात में लाभ हानि बाँटते हैं। R 31<sup>st</sup> मार्च , 2018 को अवकाश ग्रहण करता है। इस तिथि को फर्म के चिट्ठे में संचय का शेष ₹ 30,000 तथा लाभ हानि खाते का डेबिट शेष ₹ 15,000 था।

R के अवकाश ग्रहण पर संचित लाभों एवं हानियों को अपलिखित करने हेतु जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये।

R , S and T are Partners in a firm , sharing Profits and Losses in ratio of 5 : 3 : 2 . R Retires from the firm on 31<sup>st</sup> March , 2018 . The Balance Sheet of the Firm showed a Balance of Reserve ₹ 30,000 and Dr. Balance of Profit and Loss Account ₹ 15,000 on that Date .

Make Journal Entries for Writing Off Accumulated Profits and Losses .

[ 2 Marks ]

**Sol.**

#### JOURNAL of Firm

Date	Particular	Dr. (₹)	Cr. (₹)
2018, March 31	Reserve A/c. Dr. To R's Capital A/c. To S's Capital A/c. To T's Capital A/c. (Being Reserve Written Off in 5 : 3 : 2 Ratio)	30,000	15,000 9,000 6,000
2018, March 31	R's Capital A/c. Dr. S's Capital A/c. Dr. T's Capital A/c. Dr. To Profit and Loss A/c. (Being Profit and Loss Debit Balance Written Off in 5 : 3 : 2 Ratio)	7,500 4,500 3,000	15,000

- Q 10.** P , Q तथा R एक फर्म में साझेदार है जो 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ हानि विभाजन करते है। फर्म की पुस्तकों प्रतिवर्ष 31<sup>st</sup>मार्च को बन्द की जाती है। 1<sup>st</sup>जुलाई , 2015को P फर्म से अवकाश ग्रहण करता है। 31<sup>st</sup>मार्च , 2015 को समाप्त गत लेखावर्ष में फर्म ने ₹ 2,40,000 लाभ कमाया। चालू वर्ष में लाभ गतवर्ष की तुलना में 25 % अधिक होने की संभावना है। अवकाश ग्रहण की तिथि को चालू वर्ष के लाभ में P का हिस्सा ज्ञात कीजिये तथा P को देय लाभ की प्रविष्टि कीजिये।

P , Q and R are Partners in a Firm , Sharing Profits and Losses in the Ratio of 3 : 2 : 1 . P Retires from the Firm on 1<sup>st</sup> July , 2015 . The Firm Closes its Books on 31<sup>st</sup> March each year . The Firm Earned a Profit of ₹ 2,40,000 during the Previous Accounting Year ended on 31<sup>st</sup> March , 2015 . It is estimated that Current Year's Profit would be 25 % More than Previous Year .

Determine the Share of P on the Date of Retirement in the Current Year's Profit . Also make Journal Entry for Profit given to P .

[ 2 Marks ]

**Sol.**

$$\text{चालू वर्ष का अपेक्षित लाभ} = ₹ 2,40,000 + ₹ 60,000 \text{ (25 \% of ₹ 2,40,000)} = ₹ 3,00,000$$

$$1^{\text{st}}\text{अप्रैल , 2015 से } 1^{\text{st}}\text{जुलाई , 2015 तक का लाभ} = ₹ 3,00,000 \times \frac{3}{12} = ₹ 75,000$$

$$\text{P का चालू वर्ष के लाभ में हिस्सा} = ₹ 75,000 \times \frac{3}{6} = ₹ 37,500$$

**JOURNAL of Firm**

Date	Particular	Dr. (₹)	Cr. (₹)
2015, July 1	Profit and Loss Suspense A/c. Dr. To P's Capital A/c. (Being Share in Current years Profit upto Retirement given)	37,500	37,500

- Q 11.** X , Y तथा Z 3 : 3 : 2 के अनुपात में लाभ बाँटते हुये साझेदार है। Z के निवृत्त होने पर संयुक्त बीमा पॉलिसी का समर्पण मूल्य ₹ 1,60,000 आंका गया। पॉलिसी खाता भविष्य में पुस्तकों में नहीं दिखाना है तथा भविष्य में शेष साझेदार लाभ बराबर-बराबर बाँटना तय करते है।

फर्म की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टि/प्रविष्टियाँ दीजिये यदि प्रीमियम को व्यापारिक खर्च माना जाता है।

X , Y and Z are Partners sharing Profits in the Ratio of 3 : 3 : 2 . The Surrender Value of Joint Life Policy is ₹ 1,60,000 on the Date of Retirement of Z . It is decided that Joint Life Policy will Not Appear in the Balance Sheet . X and Y decide to Share Future Profits Equally .

Give necessary Journal Entries in the Books of the Firm, when Premium is Treated as Trade Expenses.

[ 2 Marks ]

Sol.

$$Z \text{ का संयुक्त बीमा पॉलिसी में हिस्सा} = ₹ 1,60,000 \times \frac{2}{8} = ₹ 40,000$$

$$\text{फायदे का अनुपात} = \text{नया अनुपात} - \text{पुराना अनुपात}$$

$$X \text{ का फायदा} = \frac{1}{2} - \frac{3}{8} = \frac{4-3}{8} = \frac{1}{8}$$

$$Y \text{ का फायदा} = \frac{1}{2} - \frac{3}{8} = \frac{4-3}{8} = \frac{1}{8} = 1 : 1$$

**JOURNAL of Firm**

Date	Particular	Dr. (₹)	Cr. (₹)
<b>Date of Retirement</b>	X's Capital A/c. Dr.	20,000	
	Y's Capital A/c. Dr.	20,000	
	To Z's Capital A/c.		40,000
	(Being Share in Surrender Value given in Gaining Ratio 1 : 1)		

OR

**JOURNAL of Firm**

Date	Particular	Dr. (₹)	Cr. (₹)
<b>Date of Retirement</b>	Joint Life Policy A/c. Dr.	1,60,000	
	To X's Capital A/c.		60,000
	To Y's Capital A/c.		60,000
	To Z's Capital A/c.		40,000
	(Building JLP A/c. Opened by Surrender Value in Old Ratio 3 : 3 : 2)		
<b>Date of Retirement</b>	X's Capital A/c. Dr.	80,000	
	Y's Capital A/c. Dr.	80,000	
	To Joint Life Policy A/c.		1,60,000
	(Being JLP A/c. Written Off in their New Ratio 1 : 1)		

**Q 12.** स्थिति विवरण के "संचय एवं आधिक्य" शीर्षक के अन्तर्गत लिखी जाने वाली चार मदें लिखिये।

Write FOUR Items under the Head of "Reserves and Surplus" of Balance Sheet .

[ 2 Marks ]

Sol.

- (i) (पूँजी संचय) Capital Reserve
- (ii) (पूँजी शोधन संचय) Capital Redemption Reserve
- (iii) (प्रतिभूति प्रीमियम संचय) Securities Premium Reserve
- (iv) (ऋणपत्र शोधन संचय) Debenture Redemption Reserve

**Q 13.** रोकड़ तुल्य को समझाइये।

Explain Cash Equivalents .

[ 2 Marks ]

**Sol.**

ऐसे अल्पकालीन अत्यधिक तरल विनियोग है , जिन्हें तुरन्त रोकड़ में परिवर्तित किया जा सकता है तथा इनके मूल्य में परिवर्तन का जोखिम नहीं के बराबर होता है। किसी भी विनियोग को रोकड़ तुल्य तभी माना जाता है , जबकि इसकी परिपक्वता अवधि कम से कम अर्थात् प्राप्त करने की तिथि से तीन माह अथवा इससे कम हो।

**Q 14.** संयुक्त साहस सम्बन्धी व्यवहारों का लेखा रखने की विधियाँ बताइये।

State the Methods of Accounting for Joint Venture Transactions .

[ 2 Marks ]

**Sol.**

- (i) संयुक्त साहस के लिये पथक से लेखा पुस्तकें रखना ।
- (ii) संयुक्त साहस के लिये पथक से लेखा पुस्तकें नहीं रखना :
  - प्रत्येक साहसी द्वारा केवल स्वयं के लेन-देनों का लेखा करना।
  - स्वयं के लेन-देनों के साथ ही अन्य साहसियों के लेन-देनों का भी लेखा करना।

**Q 15.** मनोज तथा मुकेश ने 1<sup>st</sup>जनवरी , 2016 को क्रमशः ₹ 2,000 तथा ₹ 20,000 की पूँजी के साथ साझेदारी फर्म शुरू की। 1<sup>st</sup>मार्च , 2016, को मनोज ने ₹8,000 की अतिरिक्त पूँजी लगाई। उसी दिन मुकेश ने अपनी पूँजी से ₹6,000 निकाले। मुरली ने 1<sup>st</sup>जुलाई , 2016 को ₹30,000 की पूँजी के साथ फर्म में प्रवेश किया। उस दिन मनोज तथा मुकेश क्रमशः ₹12,000 तथा ₹10,000 की अतिरिक्त पूँजी लगाते हैं। लाभ हानि पूँजी अनुपात में विभाजित किये जाते हैं। वर्ष 2016 के लाभ ₹59,600 थे। पूरी गणना देते हुये लाभ हानि नियोजन खाता बनाइये।

Manoj and Mukesh started a Partnership Firm on 1<sup>st</sup> January , 2016 with a Capital of ₹ 2,000 and ₹ 20,000 respectively . On 1<sup>st</sup> March , 2016 , Manoj introduced Additional Capital of ₹8,000 . On that day , Mukesh Withdrew ₹6,000 from His Capital . Murli entered in the Firm on 1<sup>st</sup> July , 2016 with a Capital of ₹30,000 . On that day , Manoj and Mukesh introduced Additional Capital of ₹12,000 and ₹10,000 respectively . Profit and Loss are Distributed in Capital Ratio . The Profits for the year 2016 were ₹59,600 . .

Prepare Profit and Loss Appropriation Account by giving detailed calculations .

[ 4 Marks ]

**Sol.**

**Calculation of Effective Capital Ratio :**

**MANOJ :**

1 <sup>st</sup> January , 2016 to 1 <sup>st</sup> March , 2016	= ₹ 2,000 x 2	= ₹ 4,000
1 <sup>st</sup> March , 2016 to 1 <sup>st</sup> July , 2016	= ₹ 10,000 x 4	= ₹ 40,000
1 <sup>st</sup> July , 2016 to 31 <sup>st</sup> December , 2016	= ₹ 22,000 x 6	= ₹ 1,32,000
<b>TOTAL</b>		<b>₹ 1,76,000</b>

**MUKESH :**

1 <sup>st</sup> January , 2016 to 1 <sup>st</sup> March , 2016	= ₹ 20,000 x 2	= ₹ 40,000
1 <sup>st</sup> March , 2016 to 1 <sup>st</sup> July , 2016	= ₹ 14,000 x 4	= ₹ 56,000
1 <sup>st</sup> July , 2016 to 31 <sup>st</sup> December , 2016	= ₹ 24,000 x 6	= ₹ 1,44,000
<b>TOTAL</b>		<b>₹2,40,000</b>

**MURLI :**

1 <sup>st</sup> July , 2016 to 31 <sup>st</sup> December , 2016	= ₹ 30,000 x 6	= ₹ 1,80,000
<b>TOTAL</b>		<b>₹1,80,000</b>

**Capital Ratio :** ₹1,76,000 : ₹2,40,000 : ₹1,80,000  
44 : 60 : 45

**Profit and Loss Appropriation Account****Dr. For the year ending 31<sup>st</sup> December , 2016****Cr.**

Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Manoj's Capital (₹ 59,600 x 44/149)	17,600	By Profit for the Year.	59,600
To Mukesh's Capital (₹ 59,600 x 60/149)	24,000		
To Murli's Capital (₹ 59,600 x 45/149)	18,000		
	<b>59,600</b>		<b>59,600</b>

- Q 16.** संजना तथा रंजना एक फर्म में साझेदार हैं। 31<sup>st</sup> मार्च , 2015 को साझेदारों की पूँजी क्रमशः ₹ 4,00,000 तथा ₹ 2,00,000 हैं तथा लेनदार ₹ 90,000 है । इसी तिथि को फर्म के समापन पर सम्पत्तियों का वसूली मूल्य ₹ 3,60,000 है । वसूली खाता बनाइये।

Sanjana and Rajana were Partners in a Firm . On 31<sup>st</sup> March , 2015 Capital of the Partners are ₹ 4,00,000 and ₹ 2,00,000 and Creditors worth ₹ 90,000 . Realizable Value of Assets is ₹ 3,60,000 on the Same Date , at the Time of Dissolution of the Firm . Prepare Realization Account .

**[ 4 Marks ]****Sol.**

**Note :** स्पष्ट सूचना के अभाव में साझेदारों का लाभ हानि अनुपात बराबर माना गया।

**Memorandum Balance Sheet as at 31<sup>st</sup> March , 2015**

Liabilities	(₹)	Assets	(₹)
Sanjana's Capital	4,00,000	Sundry Assets	6,90,000
Ranjana's Capital	2,00,000	(Bal. Fig.)	
Creditors	90,000		
	<b>6,90,000</b>		<b>6,90,000</b>

Dr.	Realization Account		Cr.
Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Sundry Assets	6,90,000	By Creditors A/c.	90,000
To Cash A/c. (Creditors)	90,000	By Cash A/c. (Assets Realized)	3,60,000
		By Sanjana's Capital A/c.	1,65,000
		By Rajana's Capital A/c.. (3,30,000 x (1/2 : 1/2))	1,65,000
	<b>7,80,000</b>		<b>7,80,000</b>

**Q 17.** रोहित और राहुल कपड़े का क्रय विक्रय करने हेतु संयुक्त साहस में प्रवेश करते हैं तथा लाभ-हानि 3 : 2 के अनुपात में बाँटने का निश्चय करते हैं। रोहित ने ₹ 50,000 के कपड़े खरीदे तथा ₹ 500 भाड़ा ; ₹ 100 बीमा व्यय ; ₹ 400 गाड़ी भाड़ा तथा ₹ 300 विविध व्यय के चुकाये। राहुल ने ₹ 30,000 के कपड़े खरीदे एवं ₹ 200 गोदाम किराया ; ₹ 100 बीमा प्रीमियम तथा ₹ 100 गाड़ी भाड़े के चुकाये। रोहित ने कुछ कपड़ा ₹ 60,000 में तथा राहुल ने शेष कपड़ा ₹ 38,000 में बेच दिया। .

रोहित की पुस्तकों में संयुक्त साहस खाता एवं राहुल का खाता बनाइये।

Rohit and Rahul entered in Joint Venture to Purchase and Sales of Cloth and Decide to Distribute Profit or Loss in 3 : 2 Ratios . Rohit Purchased Cloth of ₹ 50,000 and Paid ₹ 500 Freight ; ₹ 100 Insurance Expenses ; ₹ 400 Carriage and ₹ 300 Sundry Expenses . Rahul Purchased Cloth of ₹ 30,000 and Paid ₹ 200 Godown Rent ; ₹ 100 Insurance Premium and ₹ 100 Carriage .

Rohit Sold Part of the Cloth for Worth ₹ 60,000 and Rahul Sold the Remaining Cloth for ₹ 38,000 .

Prepare Joint Venture Account and Rahul's Account in the Books of Rohit .

**[ 4 Marks ]**

**Sol.**

In the Books of Rohit			
Dr.	Joint Venture Account		Cr.
Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Bank (Purchase)	50,000	By Bank A/c. (Sales)	60,000
To Bank (Expenses)	1,300	By Rahul's A/c. (Sales)	38,000
To Rahul's (Purchase)	30,000		
To Rahul's (Expenses)	400		
To Profit and Loss A/c. (16,300 x 3/5)	9,780		
To Rahul's A/c. (16,300 x 2/5)	6,520		
	<b>98,000</b>		<b>98,000</b>

Dr.	Rahul's Account		Cr.
Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Joint Venture A/c.	38,000	By Joint Venture A/c.	30,000
		By Joint Venture A/c.	400
		By Joint Venture A/c.	6,520
		By Bank A/c. (Bal. Fig.)	1,080
	<b>38,000</b>		<b>38,000</b>

**Q 18.** निम्नांकित पर टिप्पणी लिखिये । Write Notes on the following :

- (i) सामान्य कमीशन Ordinary / General Commission
- (ii) परिशोध कमीशन Del-Credere Commission .

[ 4 Marks ]

**Sol.**

- (i) सामान्य कमीशन (Ordinary / General Commission) : प्रेषणी को माल के विक्रय मूल्य या बीजक मूल्य पर निश्चित दर से कमीशन दिया जाता है। यह प्रेषणी के कार्य का प्रतिफल है।
- (ii) परिशोध कमीशन (Del-Credere Commission) : यदि प्रेषक ने प्रेषणी को माल को उधार विक्रय करने हेतु अधीकृत किया है , तो ऐसी स्थिति में डूबत ऋण की सम्भावना भी रहती है , जिसे प्रेषक वहन करता है। यदि डूबत ऋण वहन करने एवं उधार राशि वसूल करने का उत्तरदायित्व प्रेषणी लेता है तो इस कार्य हेतु प्रेषक द्वारा प्रेषणी को अतिरिक्त कमीशन दिया जाता है , जिसे परिशोध कमीशन कहते हैं। इसकी गणना स्पष्ट सूचना के अभाव में कुल विक्रय पर निश्चित प्रतिशत से की जाती है।

**Q 19.** साँखला ट्रेडर्स ने वनस्पति घी के 5,000 पीपे ₹ 1,200 प्रति पीपा लागत पर मेसर्स मेघा ट्रेडर्स को चालानी पर भेजे तथार 50,000 रेलभाड़ा चुकाया। मार्ग में 200 पीपे चोरी हो गये , जिसके लिये बीमा कम्पनी सेर 1,80,000 दावे के प्राप्त हुये। एजेंट ने शेष माल की सुपुर्दगी ली तथार 27,000 चुंगी तथार 8,000 बिक्री व्यय के चुकाये। उसने 4,250 पीपे @ ₹ 1,500 प्रति पीपा की दर से बेच दिये तथा बिक्री परर 50 प्रति पीपा कमीशन वसूल किया। असामान्य हानि तथा बिना बिके स्टॉक की राशि की गणना करते हुये प्रेषक की पुस्तको में प्रेषण खाता बनाइये।

Sankhla Traders Consinged 5,000 Vegetable Oil Tins @ ₹ 1,200 Per Tin at cost to M/s. Megha Traders and Paid Railway Freight ₹ 50,000 . In course of Transit , 200 Tins was Theft . A sum of ₹ 1,80,000 is received from the Insurance Company as a Claim . Agent took delivery of remaining goods and paid ₹ 27,000 for Octroi and ₹ 8,000 as Selling Expenses . He Sold 4,250 Tins @ ₹ 1,500 Per Tin and Charged ₹ 50 Per Tin as Commission on Sales .

Prepare Consignment Account in the Books of Consignor , with calculating amount of Unsold Stock and Abnormal Loss .

[ 4 Marks ]

**Sol.**

**Working Note :**

**1. Calculation of Abnormal Loss in Transit (200 Tins)**

$$\text{Cost} = 200 \text{ Tins} \times ₹ 1,200 = ₹ 2,40,000$$

**Add : Non-Recurring Proportionate**

$$\text{Expenses of Sankhla Traders} = ₹ 2,000$$

$$\left( \frac{50,000}{5,000} \times 200 \right)$$

$$\text{Abnormal Loss} = ₹ 2,42,000$$

**2. Calculation of Unsold Stock :**

$$\begin{aligned}
&= (5,000 \text{ Tins} - 200 \text{ Tins Abnormal Loss} - 4,250 \text{ Tins Sold}) \\
&= 550 \text{ Tins} \\
\text{Cost} &= 550 \text{ Tins} \times ₹ 1,200 = ₹ 6,60,000.00
\end{aligned}$$

Add : Non-Recurring Proportionate Expenses  
of Sankhla Traders

$$\left( \frac{50,000}{5,000} \times 550 \right) = ₹ 5,500.00$$

Add : Non-Recurring Proportionate Expenses  
Of Megha Traders

$$\left( \frac{27,000}{4,800} \times 550 \right) = ₹ 3,093.75$$

**Unsold Stock = ₹ 6,68,593.75**

**In the Books of Sankhla Traders**

Dr.		Consignment Account		Cr.	
Particulars		(₹)	Particulars	(₹)	
To Goods Sent on Consignment A/c.(5,000 Tins x 1,200)		60,00,000.00	By Megha Traders (Sales) (4,250 Tins x 1,500)	63,75,000.00	
To Cash A/c. (Expenses)		50,000.00	By Abnormal Loss (W. N. 1)	2,42,000.00	
To Megha Traders (Expenses)			By Unsold Stock A/c. (W. N. 2)	6,68,593.75	
Octroi 27,000					
Selling Expenses <u>8,000</u>		35,000.00			
To Megha Traders (Commission) (4,250 Tins x 50)		2,12,500.00			
To Profit and Loss A/c. (Bal. Fig.)		9,88,093.75			
		72,85,593.75		72,85,593.75	

**Q 20.** निम्नांकित सूचनाओं से 31<sup>st</sup> मार्च, 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान खाता बनाइये।

Prepare Receipts and Payments Account for the year ending 31<sup>st</sup> March, 2010 from the following information ;

Particulars	Amount (₹)
Cash-in-Hand (Opening) (प्रारम्भिक रोकड़ शेष)	40,000
Donation Received (दान प्राप्त किया)	2,00,000
Subscription Received (चन्दा प्राप्त किया)	4,00,000
Paid for Electricity Bill (बिजली बिलों का भुगतान किया)	80,000
Rent ₹ 4,000 Per Month . Actually Paid for 11 Months during the year (किराया ₹ 4,000 मासिक, वर्ष के दौरान 11 माह का भुगतान किया )	
Purchases of Computer in Cash (कम्प्यूटर नकद में क्रय किया)	2,00,000
Honorarium Paid (मानदेय भुगतान)	76,000
Purchases of Machinery from Ram (राम से मशीनरी खरीदी)	1,00,000

**[ 4 Marks ]**

Sol.

**Note :**

राम से मशीनरी खरीदी , उधार लेन-देन है। अतः प्राप्ति एवं भुगतान खाते में नहीं आयेगा।

**Receipts and Payment Account**  
**For the year ended 31<sup>st</sup> March , 2010**

Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Balance b/d.	40,000	By Paid for Electricity Bill	80,000
To Donations	2,00,000	By Rent Paid	44,000
To Subscriptions	4,00,000	(4,000 x 11 Months)	
		By Computers	2,00,000
		By Honorarium	76,000
		By Balance c/d.	2,40,000
		(Bal. Fig.)	
	<b>6,40,000</b>		<b>6,40,000</b>

**Q 21.** निम्नांकित मदों को आय-व्यय खाते एवं चिह्ने में दर्शाइये।

Show the following Items in Income and Expenditure Account and Balance Sheet :

Particulars	Amount (₹)
Amount Received from Legacy (वसीयत से प्राप्त राशि)	50,000
Subscription Received in Current Year (चालू वर्ष में प्राप्त चन्दा)	25,000
Outstanding Subscription of Current Year (चालू वर्ष का बकाया चन्दा)	5,000
Entrance Fees ₹ 20,000, (50 % Part should be Capitalized)	
प्रवेश शुल्क ₹ 20,000 , (50प्रतिशत हिस्सा पूँजीगत माना जाये)	
Life Membership Fees(आजीवन सदस्यता शुल्क)	40,000
General Donation Received(सामान्य दान प्राप्त किया)	2,500

[ 4 Marks ]

Sol.

**Income and Expenditure Account**

Dr. For the year ended \_\_\_\_\_ Cr.

Expenditure	(₹)	Income	(₹)
		By Subscription 25,000	
		Add : Current year	
		Outstanding <u>5,000</u>	30,000
		By Entrance Fees	10,000
		(20,000 x 50 %)	
		By Donations	2,500

**Balance Sheet as at \_\_\_\_\_**

Liabilities	(₹)	Assets	(₹)
Capital Fund xxxx		Outstanding Subscription	5,000
Add : Legacy 50,000			
Add : Entrance Fees <u>10,000</u>	60,000		
(20,000 x 50 %)			
Life Membership Fees	40,000		

**Q22.** सोनू तथा मोनू क्रमशः 3 : 2 के अनुपात में लाभ बाँटते हुये साझेदार हैं। 31<sup>st</sup>मार्च , 2012 को उनका चिह्न निम्न प्रकार है : Sonu and Monu are in Partnership , Sharing Profits in the Ratio of 3 : 2 . Their Balance Sheet as on 31<sup>st</sup>March , 2012 was as follows :

**Balance Sheet as at 31<sup>st</sup>March , 2012**

Liabilities	(₹)	Assets	(₹)
Creditors	7,500	Cash(रोकड़)	9,750
(लेनदार)		Debtors(देनदार)	
General Reserve	4,500	15,000	
(सामान्य संचय)		Less : Provision <u>6,000</u>	9,000
Profit and Loss Account	3,000	(घटाये : आयोजन)	
(लाभ हानि खाता)		Stock(स्टॉक)	22,500
Partners' Capital A/c.:		Furniture(फर्नीचर)	9,750
(साझेदारों के पूँजी खाते)		Goodwill(ख्याति)	9,000
Sonu (सोनू)30,000			
Monu (मोनू) <u>15,000</u>	45,000		
	<b>60,000</b>		<b>60,000</b>

वे दोनू को 1<sup>st</sup>अप्रैल , 2012 से 1/3<sup>rd</sup>भाग के लिये इन शर्तों पर प्रवेश देते हैं कि वह अपने हिस्से की ख्याति के लिये व्यापार में रकम का भुगतान करें तथा इतनी पर्याप्त पूँजी लाये जिससे कि उसे नई फर्म की कुल पूँजी का 1/3<sup>rd</sup>हिस्सा प्राप्त हो जाये। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन गत तीन वर्षों के औसत लाभ के दो गुने के आधार पर करते हुये समायोजित किया जाता है। इन वर्षों के लाभ क्रमशः ₹ 15,000 ; ₹ 8,300 (हानि) तथा ₹ 25,000 है। आगे यह भी तय किया जाता है कि डूबत ऋण आयोजन को ₹ 2,000 तक घटाया जाये , स्टॉक का पुनर्मूल्यांकन ₹ 30,000 पर किया जाये , फर्नीचर को ₹ 7,500 तक घटाया जाये तथा बकाया खर्च ₹ 2,000 एवं अर्जित आय ₹ 500 पुस्तकों में लाये जाये।

They decided to Admit Tonu on 1<sup>st</sup> April , 2012 for 1/3<sup>rd</sup> Share with the terms that He has to pay cash into the business for his Share of Goodwill and Sufficient Capital to give him a 1/3<sup>rd</sup> Share of the Total Capital of the New Firm . The Goodwill of the Firm is adjusted by valuing it at two years purchases of the average profits of the last three years . Profit or Loss for these years being : ₹ 15,000 ; ₹ 8,300 (Loss) and ₹ 25,000 .

It was further agreed that the Provision for Bad Debts be Reduced to ₹2,000 , that the Stock be Revalued at ₹30,000 , that the Furniture be Reduced to ₹7,500 and Outstanding Expenses ₹2,000 and Accrued Income ₹500 to be Brought into Books .

फर्म की पुस्तकों में पुर्नमूल्यांकन खाता एवं साझेदारों के पूँजी खाते बनाइये।

Prepare : Revaluation Account and Partners' Capital Account in the Books of the Firm .

**OR**

A , B तथा C साझेदारी में व्यवसाय कर रहे थे। 31<sup>st</sup>मार्च , 2015 को फर्म का चिह्न निम्न प्रकार था :

The Partners A , B and C were carrying on Business . The Balance Sheet of the Firm as at 31<sup>st</sup>March , 2015 was as under :

**Balance Sheet as at 31<sup>st</sup>March , 2015**

Liabilities	(₹)	Assets	(₹)
Creditors(लेनदार)	13,500	Cash in Hand	5,900
General Reserve	12,000	(हस्तगत रोकड़)	
(सामान्य संचय)		Debtors (देनदार)	8,000
Bank Loan(बैंक ऋण)	5,000	Stock(स्टॉक)	11,600
Partners' Capital A/cs. :		Building(भवन)	23,000
(साझेदार पूँजी खाते)		Goodwill(ख्याति)	15,000
A 15,000			
B 10,000			
C 8,000	33,000		
	<b>63,500</b>		<b>63,500</b>

1<sup>st</sup>अप्रैल , 2015 को B अवकाश ग्रहण करता है तथा उस समय निम्न निर्णय लिये गये :

B Retires on 1<sup>st</sup>April , 2015 . The following decisions were taken at that time :

- भवन का मूल्य ₹7,000 से बढ़ाना है। Value of Building is Increased by ₹ 7,000 .
- विविध देनादारों पर 5 % की दर से संदिग्ध ऋणों के लिये आयोजन करना है।  
Provision for Bad Debts @ 5 % is made on Sundry Debtors .
- फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 18,000 पर किया गया। यह भी निश्चय किया गया कि B के अवकाश ग्रहण पश्चात् लेखा पुस्तकों में ख्याति नहीं दिखाई जायेगी। Goodwill is Valued at ₹ 18,000 and it is also Committed that after Retirement of B , it will not be Shown in the Books .
- ₹ 5,000 B को तुरन्त भुगतान तथा शेष उसके ऋण खाते में हस्तांतरित कर दिये जाये। Payment of ₹ 5,000 is made to B Immediately and Balance is Transferred to His Loan Account .

फर्म की पुस्तकों में पुर्नमूल्यांकन खाता , साझेदारों के पूँजी खाते तथा चिह्न बनाइये ।

**Prepare :**

Revaluation Account , Partners' Capital Accounts and Balance Sheet in the Books of the Firm .

**[ 6 Marks ]**

**Sol. Working Note :**

**1. Valuation of Firm's Goodwill :**

$$\begin{aligned}
 \text{Average Profit} &= \frac{\text{₹ 15,000} + (\text{₹ 8,300}) + \text{₹ 25,000}}{3} \\
 &= \frac{\text{₹ 31,700}}{3} = \text{₹ 10,567}
 \end{aligned}$$

$$\begin{aligned}\text{Goodwill} &= \text{Average Profit} \times 2 \text{ Times} \\ &= ₹ 10,567 \times 2 = ₹ 21,134 \\ \text{Premium for Goodwill} &= ₹ 21,134 \times (1/3) = ₹ 7,045\end{aligned}$$

## 2. Calculation of Capital of Tonu :

Total Adjusted Capital of Sonu and Monu

$$= ₹ 37,977 + ₹ 20,318 = ₹ 58,295$$

$$\text{Assume Total Profit} = 1 \quad \text{Remaining Profit} = 1 - (1/3) = (2/3)$$

$$\text{New Capital of Firm} = ₹ 58,295 \times (3/2) = ₹ 87,443$$

$$\text{Tonu's Capital} = ₹ 87,443 \times (1/2) = ₹ 29,148$$

Dr.	Revaluation Account		Cr.
Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Furniture A/c.	2,250	By Provision for Bad Debts	4,000
To Outstanding Expenses	2,000	By Stock A/c.	7,500
To Sonu's Capital A/c. (7,750 x (3/5))	4,650	By Accrued Income A/c.	500
To Monu's Capital A/c. (7,750 x (2/5))	3,100		
	<b>12,000</b>		<b>12,000</b>

Dr.	Partners' Capital Account						Cr.
Particulars	Sonu (₹)	Monu (₹)	Tonu (₹)	Particulars	Sonu (₹)	Monu (₹)	Tonu (₹)
To Goodwill A/c. $\left(9,000 \times \frac{3:2}{5}\right)$	5,400	3,600	—	By Balance b/d.	30,000	15,000	—
To Balance c/d.	37,977	20,318	—	By Premium for Goodwill $\left(7,045 \times \frac{3:2}{5}\right)$	4,227	2,818	—
				By Revaluation A/c.	4,650	3,100	—
				By Gen. Reserve A/c. $\left(4,500 \times \frac{3:2}{5}\right)$	2,700	1,800	—
				By Profit & Loss A/c. $\left(3,000 \times \frac{3:2}{5}\right)$	1,800	1,200	—
	43,377	23,918	—		43,377	23,918	—
To Balance c/d. (Bal. Fig)	37,977	20,318	29,148	By Balance b/d.	37,977	20,318	—
				By Cash A/c. (W. N.)	—	—	29,148
	37,977	20,318	29,148		37,977	20,318	29,148

OR

**Working Note :**

1. B's Share of Goodwill = ₹ 18,000 × (1/3) = ₹ 6,000

New and Gaining Ratio = A : C

1 : 1

Dr.	Revaluation Account		Cr.
Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Provision for Doubtful Debts (₹ 8,000 × 5 %)	400	By Building A/c.	7,000
To A's Capital A/c. (₹ 6,600 × 1/3)	2,200		
To B's Capital A/c. (₹ 6,600 × 1/3)	2,200		
To C's Capital A/c. (₹ 6,600 × 1/3)	2,200		
	<b>7,000</b>		<b>7,000</b>

Dr.	Partners' Capital Account				Cr.		
Particulars	A (₹)	B (₹)	C (₹)	Particulars	A (₹)	B (₹)	C (₹)
To Goodwill A/c. $\left(15,000 \times \frac{1:1:1}{3}\right)$	5,000	5,000	5,000	By Balance b/d.	15,000	10,000	8,000
To B's Capital A/c.	3,000	—	3,000	By A's Capital A/c.	—	3,000	—
To Cash A/c.	—	5,000	—	By C's Capital A/c.	—	3,000	—
To B's Loan A/c.	—	12,200	—	$\left(6,000 \times \frac{1:1}{2}\right)$			
(Bal. Fig.)				By Revaluation A/c.	2,200	2,200	2,200
To Balance c/d.	13,200	—	6,200	By General Reserve A/c.	4,000	4,000	4,000
(Bal. Fig.)				$\left(12,000 \times \frac{1:1:1}{3}\right)$			
	<b>21,200</b>	<b>22,200</b>	<b>14,200</b>		<b>21,200</b>	<b>22,200</b>	<b>14,200</b>

**Balance Sheet as at 1<sup>st</sup> April , 2015**

Liabilities	(₹)	Assets	(₹)
Creditors	13,500	Cash in Hand	900
Bank Loan	5,000	Debtors	8,000
B's Loan	12,200	Less : P.B.D.	<u>400</u>
Partners' Capital A/cs. :		Stock	11,600
A	13,200	Building	30,000
C	<u>6,200</u>		
	<b>50,100</b>		<b>50,100</b>

**Q 23.** हिमान्शु लिमिटेड ने ₹ 10,00,000 के 9 % ऋणपत्रों का निर्गमन निम्न प्रकार से किया :

Himanshu Ltd. Issued 9 % Debentures of ₹ 10,00,000 as follows :

- (i) ₹ 5,00,000 के 9 % ऋणपत्रों को 10 % बट्टे पर नकद के लिये ।  
9 % Debentures of ₹ 5,00,000 at 10 % Discount for Cash .
- (ii) स्नेहा लिमिटेड से ₹ 2,25,000 में मशीन क्रय की , उसके प्रतिफल स्वरूप उसको ₹ 2,50,000 अंकित मूल्य के 9 % ऋणपत्र निर्गमित किये।  
A Machine of ₹ 2,25,000 Purchased from Sneha Ltd. For the consideration of it , 9 % Debentures were Issued with a Nominal Value of ₹ 2,50,000 ..
- (iii) बैंक से ₹ 1,25,000 का ऋण लिया। सम्पार्थिक प्रतिभूति के रूप में बैंक के पास ₹ 2,50,000 के 9 % ऋणपत्र जमा कराये। Taken a Loan of ₹ 1,25,000 from Bank and Deposited to the Bank , 9 % Debentures of ₹ 2,50,000 as Collateral Security .

हिमान्शु लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये।

Give Journal Entries in the Books of Himanshu Ltd.

[ 6 Marks ]

**Sol.**

**JOURNAL OF Himanshu Ltd.**

Date	Particular	Dr. (₹)	Cr. (₹)
(i)	Bank A/c. Dr. Discount on Issue of Debentures A/c. Dr. To 9 % Debentures A/c.. (Being 9 % Debentures Issued for Cash at 10 % Discount)	4,50,000 50,000	5,00,000
(ii)	Machine A/c. Dr. To Sneha Ltd. A/c. (Being Machine Purchased from Sneha Ltd.)	2,25,000	2,25,000
	Sneha Ltd. A/c. Dr. Discount on Issue of Debentures A/c. Dr. To 9 % Debentures A/c.. (Being 9 % Debentures Issued to Sneha Ltd. at Discount)	2,25,000 25,000	2,50,000
(iii)	Bank A/c. Dr. To Bank Loan A/c. (Being Bank Loan Taken)	1,25,000	1,25,000
	Debentures Suspense A/c. Dr. To 9 % Debentures A/c. (Being 9 % Debentures Issued as Collateral Security)	2,50,000	2,50,000

## SECTION – B (खण्ड – B)

खण्ड B के दो भाग हैं। प्रत्येक भाग में सात प्रश्न हैं। परीक्षार्थियों को किसी एक भाग के सात प्रश्नों को हल करना है।

Section B has Two Portions . Every Portion has a Set of SEVEN Questions . Candidates can Attempt any Set of SEVEN Questions of any ONE Portion .

Q 24. प्रवृत्ति अनुपात ज्ञात करने का सूत्र लिखिये।

Write the formula for Calculating Trend Ratio .

[ 1 Mark ]

Sol.

$$\text{प्रवृत्ति अनुपात(Trend Ratio)} = \frac{\text{उस मद की चालू वर्ष की राशि}}{\text{उस मद की आधार वर्ष की राशि}} \times 100$$

Q 25. यदि प्रारम्भिक स्टॉकरें 20,000 ; शुद्ध क्रयें 50,000 ; प्रत्यक्ष व्यय 5,000 हैं तथा अंतिम स्टॉकरें 22,500 , हो तो बेचे गये माल की लागत ज्ञात करो। If Opening Stock ₹ 20,000 ; Net Purchase ₹ 50,000 ; Direct Expenses ₹ 5,000 and Closing Stock is ₹ 22,500 , then Calculate Cost of Goods Sold .

[ 1 Mark ]

Sol.

**Cost of Goods Sold**

$$\begin{aligned} &= \text{Opening Stock} + \text{Net Purchase} + \text{Direct Expenses} - \text{Closing Stock} \\ &= ₹ 20,000 + ₹ 50,000 + ₹ 5,000 - ₹ 22,500 \\ &= ₹ 52,500 \end{aligned}$$

Q 26. समानाकार चिह्ने का प्रारूप बनाइये।

Make Proforma of "Common Size Balance Sheet".

[ 2 Marks ]

Sol.

**Common Size Balance Sheet**

Particulars	Note No.	Absolute Amounts (₹)		Percentage of Balance Sheet Total	
		Previous Year	Current Year	Previous Year	Current Year
1	2	3	4	5 = (3/Total x 100)	5 = (4/Total x 100)
<b>I. EQUITY AND LIABILITIES :</b>					
<b>1. Shareholders Funds :</b>					
(a) Share Capital		—	—	—	—
(i) Equity Share Capital		—	—	—	—
(ii) Preference Share Capital		—	—	—	—
(b) Reserve & Surplus		—	—	—	—
<b>2. Non-Current Liabilities</b>					
(a) Long term Borrowings		—	—	—	—
(b) Long term Provisions		—	—	—	—
<b>3. Current Liabilities :</b>					
(a) Short-term Borrowings		—	—	—	—
(b) Trade Payables		—	—	—	—
(c) Other Current liabilities		—	—	—	—
(d) Short-term provisions		—	—	—	—
<b>TOTAL</b>		—	—	—	—
<b>II. ASSETS :</b>					
<b>1. Non-Current Assets</b>					
(a) Fixed Assets		—	—	—	—
(i) Tangible Assets		—	—	—	—
(ii) Intangible Assets		—	—	—	—
(b) Non-Current Investment		—	—	—	—
(c) Long-term Loans and Advances		—	—	—	—
<b>2. Current Assets</b>					
(a) Current Investments		—	—	—	—
(b) Inventories		—	—	—	—
(c) Trade Receivables		—	—	—	—
(d) Cash and Cash Equivalents		—	—	—	—
(e) Short-term Loans and Advances		—	—	—	—
(f) Other Current Assets		—	—	—	—
<b>TOTAL</b>		—	—	—	—

**Q 27.** निम्न सूचनाओं से सकल लाभ एवं शुद्ध विक्रय की राशि ज्ञात कीजिये :

Find out Gross Profit and Net Sales from the information given below :

(₹)

- Fixed Assets (सम्पत्तियाँ) 1,50,000
- Average Stock (औसत स्टॉक) 70,000
- Stock Turnover Ratio (स्टॉक आवर्त अनुपात) 4 Times
- Debtors (देनदार) 40,000
- Selling Price (विक्रय मूल्य) 20 % Above Cost

(लागत मूल्य से 20 % अधिक)

[ 2 Marks ]

**Sol.**

$$\begin{aligned} \text{Stock Turnover Ratio} &= \frac{\text{Cost of Revenue from Operations}}{\text{Average Stock}} \\ &= \frac{\text{Cost of Revenue from Operations}}{\text{₹ 70,000}} \end{aligned}$$

$$\text{Cost of Revenue from Operations} = ₹ 70,000 \times 4 = ₹ 2,80,000$$

$$\text{Gross Profit} = ₹ 2,80,000 \times 20 \% = ₹ 56,000$$

$$\begin{aligned} \text{Net Sales} &= \text{Cost of Revenue from Operations} + \text{Gross Profit} \\ &= ₹ 2,80,000 + ₹ 56,000 = ₹ 3,36,000 \end{aligned}$$

**Q 28.** निम्नलिखित सूचनाओं से राम लिमिटेड का तुलनात्मक स्थिति विवरण बनाइये।

Prepare Comparative Balance Sheet of Ram Ltd. From the given information :

Particulars	2011 (₹)	2012 (₹)
<b>LIABILITIES(दायित्व):</b>		
Share Capital(अंश पूँजी)	80,000	1,20,000
Reserve(संचय)	24,000	20,000
Long Term Loan(दीर्घकालीन ऋण)	1,00,000	1,20,000
	<b>2,04,000</b>	<b>2,60,000</b>
<b>ASSETS(सम्पत्तियाँ):</b>		
Fixed Assets(स्थायी सम्पत्तियाँ)	1,60,000	2,04,000
Sundry Debtors(विविध देनदार)	20,000	40,000
Bank Balance(बैंक शेष)	24,000	16,000
	<b>2,04,000</b>	<b>2,60,000</b>

[ 4 Marks ]

Sol.

**Comparative Balance Sheet of Ram Ltd.**  
**As on 2011 and 2012**

Particulars	Note No.	2011	2012	Absolute Change (Increase or Decrease)	Percentage Change (Increase or Decrease)
1		2	3	4	5
		A	B	B – A = C	D = (C/A) x 100
		(₹)	(₹)	(₹)	%
<b>I. Equity and Liabilities :</b>					
<b>1. Shareholders' Funds :</b>					
Share Capital		80,000	1,20,000	40,000	50.00
Reserve		24,000	20,000	(4,000)	(16.67)
<b>2. Non-Current Liabilities :</b>					
Long Term Borrowings		1,00,000	1,20,000	20,000	20.00
<b>TOTAL</b>		<b>2,04,000</b>	<b>2,60,000</b>	<b>56,000</b>	<b>27.45</b>
<b>II. Assets :</b>					
<b>3. Non-Current Assets :</b>					
Fixed Assets		1,60,000	2,04,000	44,000	27.50
<b>4. Current Assets :</b>					
Sundry Debtors		20,000	40,000	20,000	100.00
Bank Balance		24,000	16,000	(8,000)	(33.33)
<b>TOTAL</b>		<b>2,04,000</b>	<b>2,60,000</b>	<b>56,000</b>	<b>27.45</b>

**Q 29.** रोकड़ प्राप्ति के सम्बन्ध में नैतिक आधार पर लेखांकन किस प्रकार किया जाता है ? (कोई चार बिन्दु)

How the Accounting of Cash Receipts can be done on Ethical Basis ? (Any FOUR Points) .

**[ 4 Marks ]**

Sol.

रोकड़ प्राप्ति के सम्बन्ध में :

- (i) रोकड़ प्राप्ति से सम्बन्धित सभी प्रमाणकों पर क्रमांक लगे हों तथा उन्हें क्रमवार व्यवस्थित किया जाये।
- (ii) सभी प्रमाणकों पर सक्षम अधिकारियों के हस्ताक्षर हों।
- (iii) सभी प्रविष्टियों के साथ प्रमाणक का क्रमांक दिखाया जायें।
- (iv) सभी रोकड़ प्राप्तियाँ व्यवसाय से सम्बन्धित हों।

**Q 30.** निकिता लिमिटेड की पुस्तकों से निम्नलिखित सूचनाएँ प्राप्त की गई हैं :

Following information have been obtained from the Books of Nikita Ltd.

Particulars	2010 – 11 (₹)	2011 – 12 (₹)
Revenue from Operations (संचालन से आगम)	10,00,000	15,00,000
Trade Receivables on 1 <sup>st</sup> April (व्यापारिक प्राप्यताएँ : 1 <sup>st</sup> अप्रैल)	1,50,000	—
Trade Receivables on 31 <sup>st</sup> March (व्यापारिक प्राप्यताएँ : 31 <sup>st</sup> मार्च)	1,75,000	2,50,000
Inventory on 1 <sup>st</sup> April (स्कन्ध : 1 <sup>st</sup> अप्रैल)	1,60,000	—
Inventory on 31 <sup>st</sup> March (स्कन्ध : 31 <sup>st</sup> मार्च)	1,80,000	2,20,000

दोनों वर्षों के लिये व्यापारिक प्राप्य आवर्त अनुपात एवं स्कन्ध आवर्त अनुपात की गणना कीजिये। विक्रय पर लाभ 25 % . Calculate Trade Receivables Turnover Ratio and Inventory Turnover Ratio for both the years . Assuming that Profit on Sales is 25 % .

**OR**

रुचि लिमिटेड की पुस्तकों में निम्नांकित सूचनाये दी हुई हैं :

Following information given in the Books of Ruchi Ltd.

- 12 % , 1,000 अधिमान अंश प्रत्येक ₹ 100  
12 % , 1,000 Preference Shares @ ₹ 100 each ;
- 25,000 समता अंश प्रत्येक ₹ 10 ; 25,000 Equity Shares @ ₹ 10 each
- कर पश्चात लाभ ₹ 1,90,000 ; Profit after Tax ₹ 1,90,000
- समता अंशों पर लाभांश चुकाया 40 % की दर से  
Dividend Paid on Equity Shares @ 40 % .

उपरोक्त सूचनाओं के आधार पर निम्न अनुपातों की गणना कीजिये :

Calculate following Ratio on the basis of above information :

- (i) Earnings Per Share (प्रति अंश अर्जन)
- (ii) Dividend Per Share (प्रति अंश लाभांश)
- (iii) Dividend Payout Ratio . (लाभांश भुगतान अनुपात)

**[ 6 Marks ]**

**Sol.**

**Working Note :**

$$\begin{aligned}
 1. \text{ Cost of Revenue from Operations} &= \text{Revenue from Operations} - \text{Gross Profit} \\
 2010 - 11 &= ₹ 10,00,000 - ₹ 2,50,000 \\
 &= ₹ 7,50,000
 \end{aligned}$$

$$\begin{aligned}
 2011 - 12 &= ₹ 15,00,000 - ₹ 3,75,000 \\
 &= \mathbf{₹11,25,000}
 \end{aligned}$$

## 2. Average Trade Receivables

$$= \frac{\text{Opening Trade Receivables} + \text{Closing Trade Receivables}}{2}$$

$$2010 - 11 = \frac{₹ 1,50,000 + ₹ 1,75,000}{2}$$

$$= \mathbf{₹1,62,500}$$

$$2011 - 12 = \frac{₹ 1,75,000 + ₹ 2,50,000}{2}$$

$$= \mathbf{₹2,12,500}$$

## 3. Average Inventory = $\frac{\text{Opening Inventory} + \text{Closing Inventory}}{2}$

$$2010 - 11 = \frac{₹ 1,60,000 + ₹ 1,80,000}{2}$$

$$= \mathbf{₹1,70,000}$$

$$2011 - 12 = \frac{₹ 1,80,000 + ₹ 2,20,000}{2}$$

$$= \mathbf{₹2,00,000}$$

## Trade Receivables Turnover Ratio = $\frac{\text{Revenue from Operations}}{\text{Average Trade Receivables}}$

$$2010 - 11 = \frac{₹ 10,00,000}{₹ 1,62,500} = \mathbf{6.153 \text{ Times}}$$

$$2011 - 12 = \frac{₹ 15,00,000}{₹ 2,12,500} = \mathbf{7.058 \text{ Times}}$$

## Inventory Turnover Ratio = $\frac{\text{Cost of Revenue from Operations}}{\text{Average Inventory}}$

$$2010 - 11 = \frac{₹ 7,50,000}{₹ 1,70,000} = \mathbf{4.411 \text{ Times}}$$

$$2011 - 12 = \frac{₹ 11,25,000}{₹ 2,00,000} = \mathbf{5.625 \text{ Times}}$$

**OR**

## Working Note :

Calculation of Earnings Available for Equity Shareholders (EAES)

Particulars	Amount (₹)
Profit After Tax	1,90,000
Less : Preference Share Dividend (₹ 1,00,000 x 12 %)	12,000
<b>Earnings Available for Equity Shareholders</b>	<b>1,78,000</b>

(i)	<b>Earnings Per Share</b>	=	$\frac{\text{Earnings Available for Equity Shareholders}}{\text{Number of Equity Shares}}$	
		=	$\frac{\text{₹ 1,78,000}}{25,000}$	= <b>₹7.12 Per Share</b>
(ii)	<b>Dividend Per Share</b>	=	$\frac{\text{Dividend Paid to Equity Shareholders}}{\text{Number of Equity Shares}}$	
		=	$\frac{\text{₹ 1,00,000}}{25,000}$	= <b>₹4 Per Share</b>
(iii)	<b>Dividend Pay-out Ratio</b>	=	$\frac{\text{Dividend Per Share}}{\text{Earnings Per Share}} \times 100$	
		=	$\frac{4}{7.12} \times 100$	= <b>56.179 %</b>

**OR**

## SECTION – B

**Q 24.** संयुक्तिकरण से आप क्या समझते हैं ?      What do you mean by Networking ?

**[ 1 Mark ]**

**Ans.** सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु कम्प्यूटर को कई उपकरणों से जोड़ा जाता है। इसमें इन्टरनेट प्रमुख है। एक छोटे नेटवर्क के रूप में इसे लोकल ऐरिया नेटवर्क “**Local Area Network**” (LAN) के माध्यम से जोड़ा जा सकता है। बड़े नेटवर्क के लिये “**Wide Area Network**” (WAN) का प्रयोग किया जाता है।

**Q 25.** यूजर इन्टरफेस से आप क्या समझते हैं ?      What do you mean by User Interface ?

**[ 1 Mark ]**

**Ans.** उपयोगकर्ता से सम्बन्ध स्थापित करने वाले स्क्रीन्स को तैयार करना , जिसको कि उपयोगकर्ता देखेगा तथा जिससे यूजर सम्बन्ध स्थापित करेगा और अपने कुछ आकड़ों को इनपुट करेगा अथवा कुछ आउटपुट देखना चाहेगा , यूजर इन्टरफेस कहलाता है । जैसे पुस्तकालय के लिये कोई सॉफ्टवेयर बनाना हो ।

**Q 26.** एक्सेल में नई वर्कबुक बनाने की प्रक्रिया समझाइये।

Explain the Process of Creating a New Workbook in Excel .

**[ 2 Marks ]**

**Ans.** एक्सेल में नई वर्कबुक को बनाना : वर्कबुक बनाने के लिये निम्न प्रक्रिया अपनाई जाती है :

- माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस एक्सेल 2010 (Microsoft Office Excel 2010) पर क्लिक करने के बाद माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस (Microsoft Office) बटन पर क्लिक करें।

- न्यू (New) पर क्लिक करें और उसके बाद
- ब्लैंक वर्कबुक (Blank Workbook) पर क्लिक करें। एक्सेल डिफॉल्ट (Default) रूप में एक रिक्त वर्कबुक खोलता है।

**Q 27.** वर्कबुक संरचना में “सेल को हटाना एवं कॉपी करना” से आप क्या समझते हैं ?।

What do you mean by “Moving and Copying Cells” in Structure of Work Book ?

[ 2 Marks ]

**Ans.**

- सेल को हटाना (**Moving Cells**) : किसी सेल को एक स्थान से काट कर दूसरे स्थान में ले जाने के लिये मेनुबार (Menu Bar)में एडिट/कट का चयन करें अथवा कट बटन पर क्लिक करें।
- सेल को कॉपी करना(**Copying Cells**) : किसी सेल को कॉपी करने के लिये मेनुबार (Menu Bar)में एडिट/कॉपी का चयन करें अथवा कॉपी बटन पर क्लिक करें।

**Q 28.** लेखांकन सॉफ्टवेयर के प्रकारों का उल्लेख कीजिये। Narrate Types of Accounting Software .

[ 4 Marks ]

**Ans.** लेखांकन साफ्टवेयर के प्रकार(**Types of Accounting Software**) :कम्प्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली में लेखांकन कार्य तथा उसका प्रतिवेदन संस्था की आवश्यकतानुसार तैयार किया जाता है। लेखांकन सॉफ्टवेयर जिन्हें लेखांकन पैकेज कहते हैं , निम्नलिखित प्रकार की होती हैं :

- उपयोग के लिये तैयार सॉफ्टवेयर (Ready to Use Software): इनका निर्माण किसी विशेष उपयोगकर्ता के अनुसार नहीं किया जाता है। यह छोटे व्यापारियों के लिये उपयोगी सॉफ्टवेयर है जिनके बहुत कम मात्रा में व्यवहार होते हैं। इनमें गोपनीयता का अभाव होता है , परन्तु यह सीखने में सरल तथा कम खर्चीले होते हैं। इसका प्रशिक्षण सरल होता है तथा प्रशिक्षण लागत भी नहीं लगती क्योंकि विक्रेता स्वयं ही बिना किसी लागत को प्राप्त किये प्रशिक्षण दे देता है। इन सॉफ्टवेयर में धोखे की सम्भावना अधिक रहती है क्योंकि इनमें गोपनीयता निम्न स्तर की रहती है।
- व्यवस्थित सॉफ्टवेयर (Customized Software): यह मध्यम एवं बड़े व्यापारियों के लिये उपयोगी होते हैं। इनकी स्थापना एवं देखरेख की लागत अधिक रहती है क्योंकि तैयार सॉफ्टवेयर में उपयोगकर्ता की आवश्यकता के अनुसार परिवर्तन करना पड़ता है। इसमें गोपनीयता बढ़ जाती है तथा अधिकतम व्यक्ति ही इसका उपयोग कर सकता है। ये सब सुविधाएँ उपलब्ध करवाने के कारण उपयोगकर्ता के प्रशिक्षण तथा बिक्री के बाद की सेवा की लागतें अधिक आती हैं।
- आवश्यकतानुसार अथवा उपयुक्त सॉफ्टवेयर (Tailored Software): यह पूर्णतया: उपयोग करने वाले के निर्देशों के अनुसार तैयार किया जाता है। इसकी माँग बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों में होती है। जो भौगोलिक रूप से दूर दूर तथा विभिन्न स्थानों पर होते हैं। इसके उपयोगकर्ता अधिक होते हैं तथा बिना उचित प्रशिक्षण के इनका उपयोग नहीं किया जा सकता है। प्रबन्धकीय सूचना प्रणाली में इनका महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इनमें गोपनीयता , अधिकतमता तथा प्रामाणिकता की जाँच करने के लिये एक सुदृढ़ पद्धति होती है।

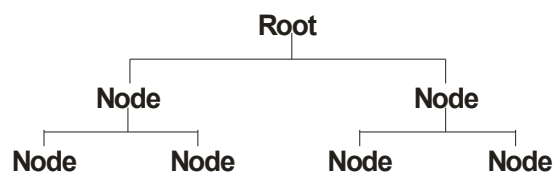
**Q 29.** डेटाबेस मैनेजमेन्ट सिस्टम के प्रकारों को समझाइये। Explain Types of Database Management System .

**[ 4 Marks ]**

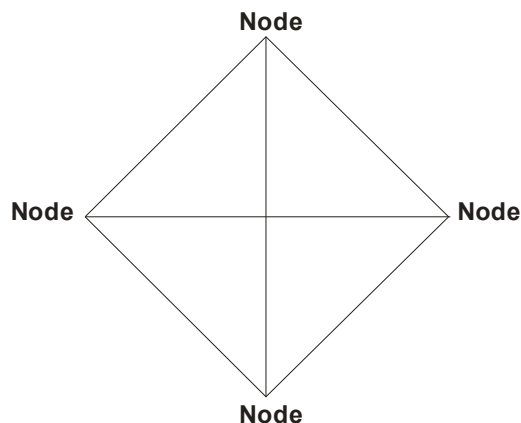
**Ans.** डेटाबेस मैनेजमेन्ट सिस्टम के प्रकार(Types of Database Management System) :

- हायराकीकल(Hierarchical):पूर्व में डिजाइन किये हुये डेटाबेस हायराकीकल होते थे, जिनकी संरचना पेडनुमा आकार (Treelike Structure) में होती थी। इनमें एक मेन रूट तथा शेष शाखाएँ मानी जाती है। उसके शाखाएँ (Nodes) होते हैं तथा एक से अनेक (One to Many) के रूप में ही फ्लो (Flow) करते हैं। इससे यह एक परिवर्तनशील संरचना नहीं है। कोई भी Node , Root को पुनः सम्पर्क नहीं कर सकती तथा डेटा का फ्लो (Flow) एक ही दिशा में होता है। इन्हीं कमियों की वजह से आगे डेटाबेस का डिजाइन बदला गया , जिससे डेटा का सही समय पर पूर्ण एवं उचित प्रयोग किया जा सकें।

इसे निम्न चित्र के द्वारा दर्शाया गया है।



- नेटवर्क(Network):नेटवर्क सिस्टम में डेटाबेस की सारी Nodes एक दूसरे से जुड़ी हुई है , जिससे जहाँ पर डेटा जिस Node में चाहिये वह वहाँ ही उपलब्ध करा दिया जायेगा अर्थात् यह अनेक से अनेक (Many to Many Relationship) है जिसमें कई बार उच्च डेटा उपलब्धता की वजह से डेटा क्लटर की स्थिति आ जाती है। जैसे दो Nodes के एक साथ डेटा Release करने की स्थिति में जिससे डेटा या तो आपस में ही उलझकर रह जाता है अथवा उचित स्थान तक नहीं पहुँच पाता। इसे निम्न चित्र से दर्शाया गया है।



- रिलेशनल(Relational) : रिलेशनल डेटाबेस में हायराकीकल तथा नेटवर्क की सभी असुविधाओं का ध्यान में रखकर तीनों तरह का डेटा Flow रखा गया , जो एक से एक , एक से अनेक तथा अनेक से अनेक फॉर्म में होता है। जिससे आवश्यकतानुसार इनका प्रयोग कर डेटाबेस सम्बन्धी समस्याओं को सुलझाया जाता है।

**Q 30.** वित्तीय विश्लेषण के अतिरिक्त स्प्रेडशीट के किन्हीं छः उपयोगों को लिखिये।

Explain any SIX Uses of Spread Sheet , Except Financial Analysis .

**OR**

निम्नांकित परिस्थितियों में स्प्रेडशीट के लेखांकन में प्रयोग को समझाइये :

Discuss the Application of Spread Sheet in Accounting in following cases :

- (i) Calculation of Expenses . (खर्चों की गणना)
- (ii) Calculation of Income . (आय की गणना)

**[ 6 Marks ]**

**Ans.**

स्प्रेडशीट के अन्य उपयोग (Other Uses of Spreadsheet) : वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के अतिरिक्त लेखाकारों एवं निवेशकों द्वारा स्प्रेडशीट का प्रयोग अन्य कई लेखा एवं वित्त सम्बन्धी कार्यों के लिये किया जा सकता है। कुछ महत्वपूर्ण वित्तीय कार्यों का उल्लेख निम्नलिखित में किया गया है :

- (i) कर की गणना (Calculation of Tax) : स्प्रेडशीट द्वारा विभिन्न प्रकार के कर जैसे आयकर , विक्रयकर , करस्टम ड्यूटी , सर्विस टैक्स आदि की गणना एवं उनसे सम्बन्धित स्रोतों के आधार पर करों का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। इसे निम्नलिखित उदाहरण द्वारा समझाया गया है। कॉलम A में बिक्री सम्बन्धी आँकड़े दिये हुये हैं। जिस पर 10 % की दर से बिक्री कर लगाया गया है। जिसकी गणना निम्न मूल सूत्र द्वारा की गई है : (बिक्री की राशि \* कर का प्रतिशत)। एक्सेल सूत्र के अनुसार दी गई सारणी में इस सूत्र को निम्न प्रकार से लगाया गया है। इसका सिन्टेक्स है : =(A1 \* 0.5) जिसकी गणना की राशि को सेल B1 में दर्शाया गया है।

कर की लागत

	A	B
	Sales	Tax
1	20	10
2	30	15
3	40	20
4	50	25
5	30	15
6	40	20
7	70	35
8	80	40
9	60	30
10	100	50

- (ii) ऋण की किश्त की गणना (Calculation of Installment) : किसी निश्चित लोन राशि पर चक्रवृत्ति ब्याज लगाने की दशा में मासिक किश्त की गणना में PMT सूत्र द्वारा प्रतिमाह देय किश्त की गणना की जा सकती है। PMT फंक्शन का मूल सूत्र है :  $PMT(rate, nper, pv, [fv], [type])$  यहाँ पर  
 $r$  = Rate of Interest ;  $nper$  = Total Payments for Loan ;  $pv$  = Principal Amount  
उदाहरण के लिये यदि व्यवसाय ने 6.75 प्रतिशत की दर पर ₹ 2,00,000 का ऋण बैंक से 30 वर्ष के लिये लिया है , तो प्रतिमाह दी जाने वाली किश्त की गणना नीचे दिये गये निम्न सूत्र से की जायेगी :

$$= PMT(B4/B5, B3*5, B2) \quad \text{प्रतिमाह देय राशि को B6 में अंकित किया गया है।}$$

### किश्त की गणना

	A	B
1	Loan Data	₹
2	Principal Amount	2,00,000
3	Loan Term	30
4	Interest Rate	6.75 %
5	Payment Per Year	12
6	Instalment (₹)	1297.20

- (iii) यदि प्रतिमाह दी जाने वाली किश्त में से "मूल राशि" (Principal Amount) की गणना करनी हो तो इस दशा में PPMT फंक्शन का प्रयोग किया जायेगा :

$$= \text{PPMT}(\text{rate/payment in a year}, 1, \text{years*payment in a year}, \text{Amount})$$

उदाहरण , यदि ब्याज दर 10 प्रतिशत है एवं ऋण की किश्त प्रतिमाह के आधार पर देय है तथा ऋण की कुल राशि ₹ 1,00,000 एवं भुगतान अवधि 5 वर्ष है तो प्रतिमाह दी जाने वाली किश्त में "मूल राशि" की गणना निम्न सूत्र से की जायेगी :  $= \text{PPMT}(10/12, 1, 5*12, 100000)$  इस सूत्र द्वारा किश्त ₹ 1291.37 होगी। इसे निम्नलिखित चित्र द्वारा दर्शाया गया है :  $= \text{PPMT}(B1/B3, A7, B2*B3, B4)$

The screenshot shows an Excel spreadsheet with the following data:

	A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K
1											
2		Interest Rate (%)	10								
3		Years	5								
4		Instalment Per	12								
5		Loan Amount	1,00,000								
6		Instalment No.	Principal								
7		4	1,291.47								
8											
9											
10											
11											
12											
13											
14											
15											
16											
17											
18											
19											
20											
21											
22											
23											
24											
25											
26											

- (iv) इसी प्रकार प्रतिमाह दी जाने वाली किश्त में "ब्याज" की गणना करने हेतु PMT फंक्शन का प्रयोग किया जायेगा। उपर्युक्त उदाहरण में इसका उपयोग निम्न सूत्र द्वारा किया जायेगा :

$$= \text{IPMT}(10/12, 1, 5*12, 100000) = \text{IPMT}(B1/B3, A7, B2*B3, B4)$$

	A	B	C	D	E	F	G	H	I	J
1										
2		Interest Rate (%)	10							
3		Years	5							
4		Instalment Per	12							
5		Loan Amount	1,00,000							
6										
7		Instalment No.	1.297.47							
8		Principal Interest	811.47							
9										
10										
11										
12										
13										
14										
15										
16										
17										
18										
19										
20										
21										
22										
23										
24										
25										
26										

- (v) पूँजी अथवा ऋण पर साधारण ब्याज की गणना करना (Calculation of simple interest on Capital and Loan) पूँजी अथवा ऋण पर ब्याज की गणना मूल राशि (Principal Amount) पर एक निर्धारित दर से की जाती है। इसके लिये निम्न सूत्र का प्रयोग होता है :  $(\text{Principal Amount}) \times \text{Rate}/100$

यह निम्न उदाहरण द्वारा समझा जा सकता है :

यदि 100000 की राशि 8 प्रतिशत ब्याज दर पर 5 वर्षों के लिये ली गई है तो ब्याज गणना करने के लिये  $(100000 \times 8/100) = ₹ 8000$  प्रतिवर्ष के हिसाब से ब्याज देय होगा। 5 वर्षों के ब्याज की गणना के लिये  $(100000 \times 8/100) \times 5$  करना होगा। चित्र के अनुसार 5 वर्षों के ब्याज की गणना हेतु सिन्टेक्स होगा :

$$=(B1/B2)*B3 \text{ अथवा } = B1*.08$$

ब्याज की गणना

	A	B	C	D
1	Principal Amount	100000		
2	Rate	.08 %		
3	Year	5		
4				

- (vi) निवेश पर कुल ब्याज की गणना (Calculation of Total Income on Investment) :

ब्याज पर कुल आय की गणना करने के लिये मूल राशि जितने वर्षों के बाद परिपक्व हो रही है उतने वर्षों के कुल ब्याज प्रतिशत (चक्रवर्तीय) से गुणा कर दिया जाता है। उदाहरण के लिये 1 वर्ष बाद 8 प्रतिशत की दर से यदि ₹100 निवेश किये जाते हैं तो 1 वर्ष बाद वह कुल ₹108 हो जायेंगे।

यह निम्न सारणी द्वारा दर्शाया गया है :

	A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L
1		100										
2		108										
3												
4												
5												
6												
7												
8												
9												
10												
11												
12												
13												
14												
15												
16												
17												
18												
19												
20												
21												
22												
23												
24												
25												

OR

- (i) खर्चों की गणना : चित्र में त्रैमासिक खर्चों का विवरण दिया गया है। हर महीने का कुल खर्च सेल E 12 , F 12 एवं G 12 में दर्शाया गया है। इसी प्रकार किसी एक खर्च का तीनों माह के कुल खर्चों को 16 से 110 तक दर्शाया गया है। इसकी गणना करने के लिये SUM सूत्र का प्रयोग किया गया है। जैसे RENT की तीनों महीनों की राशि निकालने के लिये =SUM(E6 : G6) को सेल 16 में टाईप किया गया है। इसी प्रकार जनवरी माह के कुल खर्चों की गणना सूत्र =SUM(E6 : E10) के द्वारा की गई है।

Expenditure Statement for Quarter 1					
Expenditure (₹)					
Month	Jan	Feb	Mar	Total	
Rent	5,000	3,000	5,000	13,000	
Salary	3,000	3,000	1,000	7,000	
Purchases	12,000	11,000	9,000	32,000	
Wages	1,000	5,000	1,000	7,000	
Electricity	4,000	4,000	2,000	10,000	
<b>Total</b>	<b>25,000</b>	<b>26,000</b>	<b>18,000</b>		

- (ii) आय की गणना : व्यापार में होने वाली आय की गणना भी स्प्रेडशीट द्वारा की जा सकती है। यह गणना वार्षिक , अर्द्धवार्षिक , त्रैमासिक आदि के अनुसार की जा सकती है। आय या व्यय से सम्बन्धित किसी भी प्रकार का बजट बनाने हेतु एक्सल स्प्रेडशीट से डेटा को हस्तांतरित किया जा सकता है। इसी प्रकार किसी महीने में कम या ज्यादा खर्च को भी चिन्हित किया जा सकता है। इसी प्रकार दिखाये गये चित्र में त्रैमासिक आय की गणना को दर्शाया गया है। इस सारणी में भी SUM सूत्र का प्रयोग किया गया है।

[illegible]